कोरोना के साथ कुछ ऐसे होते फिल्मी संवाद

अगर बॉलीवुड की फिल्में “कोरोना” पे बनती तो कैसे डॉयलॉग्स होते

शोले – ये मास्क मुझे दे दे, ठाकुर !! ?

दीवार – मेरे पास मास्क है,सेनिटाईजर है, इन्श्योरन्स है, बैंक बैलेन्स है, क्या है तुम्हारे पास ??

”मेरे पास कोरोना वेक्सिन है!!!”

दीवार – मैं आज भी लोगों से हाथ नहीं मिलाता !!

दबंग – कोविड से डर नही लगता साहब, लोकडाउन से लगता है !!

कुछ कुछ होता है – फेफड़ों में कुछ कुछ होता है अंजली, तुम नही समझोगी!!

बाजीराव मस्तानी अगर आपने हमसे हमारा सेनिटाईजर मांगा होता तो हम खुशी खुशी दे देते,मगर आपने तो मास्क ना पहनकर हमारा गुरूर ही तोड़ दिया ।

डॉन – कोरोना की वैक्सिन तो ग्यारह मुल्कों की डॉक्टर ढूंढ रही है, पर वैक्सिन को ढूँढना मुश्किल ही नही, नामुमकिन है !!

देवदास -कौन कमबख्त है जो बर्दाश्त करने के लिये पीता है ?हम तो इसलिए पीते हैं कि देश की इकॉनमी ऊपर उठा सके, लोकडाउन को बर्दाश्त कर सके!!

जिंदगी ना मिलेगी दोबारा – अगर साबुन से हाथ धो रहे हो ,तो जिंदा हो तुम ।अगर चेहरे पे मास्क लगाकर घूम रहे हो तो जिंदा हो तुम ।अगर सोश्यल डिस्टन्सिंग फोलो कर रहे हो तो जिंदा हो तुम । अगर बारबार चेहरे पे हाथ नही लगा रहे तो जिंदा हो तुम ।अगर घर में झाड़ू,पोछा,बरतन कर रहे हो तो जिंदा हो तुम ।

दामिनी – तारीख पे तारीख, तारीख पे तारीख !!हमेशा अगले लोकडाउन की तारीख ही मिलती रही है मीलोर्ड, पर लोकडाउन की आखिरी तारीख नही मिली !

मैंने प्यार किया – क्वोरन्टाईन का एक उसूल है मैडम, नो मीटिंग, नो गोईंग आऊट ..

ओम शांति ओम अगर कोरोना के नए केस आने बंद नही हुए तो समझ लो कि लोकडाउन अभी बाकी है मेरे दोस्त !

मुगल-ए-आजम - सोश्यल डिस्टन्सिंग तुम्हें मरने नहीं देगा और लोकडाउन तुम्हें जीने नही देगा ।

पाकीजा – आपके पाँव देखे, बहुत हसीन हैं।इन्हें घर पर ही रखिएगा वरना कोरोना हो जाएगा !!

दीवार -जाओ,पहले उस आदमी का साईन लेकर आओ जिसने बिना मास्क के पब्लिक में छींक दिया था !!

शहंशाह -रिश्ते में तो हम सारे वायरस के बाप लगते हैं, नाम है *"कोरोना "* !!